

July 25, 2026

The BSE Limited

Corporate Relationship Department
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai - 400 001

SCRIP CODE: **543066**

SECURITY: **Equity Shares/Debentures**

The National Stock Exchange of India Limited

Exchange Plaza, C-1, Block G,
Bandra-Kurla Complex.
Bandra (E), Mumbai - 400 051

SYMBOL: **SBICARD**

SECURITY: **Equity Shares**

Dear Sirs,

Re: Disclosure under Regulation 30 and 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 - Newspaper Advertisements - Unaudited Financial Results of the Company for the quarter ended June 30, 2026

In compliance with Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, enclosed herewith copies of the Newspaper Publications of the Unaudited Financial Results of the Company for the quarter ended June 30, 2026, published in 'Business Standard' - all editions (English and Hindi) on July 25, 2026.

The same is also being uploaded on the website of the Company at www.sbicard.com.

Kindly take the same on record.

Thanking you,

Yours faithfully,

For SBI Cards and Payment Services Limited

Payal Mittal Chhabra

Chief Compliance Officer & Company Secretary

Date of Event: - July 25, 2026; Time: NA

SBI Cards and Payment Services Ltd.

DLF Infinity Towers, Tower C,
12th Floor, Block 2, Building 3,
DLF Cyber City, Gurugram - 122002,
Haryana, India

Tel.: 18001801290
Email: customercare@sbicard.com
Website: sbicard.com

Registered Office:
Unit 401 & 402, 4th Floor, Aggarwal Millennium Tower,
E 1,2,3, Netaji Subhash Place, Wazirpur, New Delhi - 110034
CIN - L65999DL1998PLC093849

BHAVINI MISHRA
New Delhi, 24 July

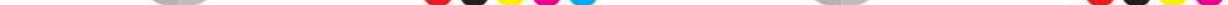
AASHISH ARYAN
New Delhi, 24 July

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 24 July

PHOTO: PT

PRESS TRUST OF INDIA
Shimla, 24 July

Videos surfaced showing the vehicle almost flattened and engulfed in fire.



हिमाचल: वाहन पर चढ़ान गिरने से 13 लोगों की मौत

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में उदयपुर-पांगी मार्ग पर पहाड़ी से विशाल चट्टानों के एक टैक्सी पर गिरने से शुक्रवार को 6 महीने के एक शिशु समेत 13 लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि कुल्लू से किलाड़ जा रहे वाहन में 15 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि कड़ नाला के निकट विशाल चट्टानों के गिरने से वाहन पूरी तरह उसके नीचे दब गया और वाहन के पिछले हिस्से में आग लग गई। मौके पर मौजूद राहगीरों और सेना के जवानों ने आग बुझाने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही एक दल को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। इसने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी है तथा प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। पुलिस ने बताया कि शिशु के अलावा मृतकों में सात पुरुष और चार महिलाएं शामिल थीं। इसने बताया कि मृतकों में से एक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई थी। इनमें से ज्यादातर चंबा जिले के पांगी क्षेत्र के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि कार से बाहर कूदने वाले दो लोग बाल-बाल बच गए।





पंजाब एण्ड सिंध बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग सी-7 प्रथम-तल नई सच्ची मंडी आजादपुर नई दिल्ली-110033, ई-मेल- ho.stationery@psb.bank.in

जहाँ सेवा ही जीवन — खोव है

निविदा सूचना

बैंक के लिए "टैम्पर-प्रूफ पैकेट (गोल्ड पाउच) के निर्माण, प्रिंटिंग और सप्लाय के लिए वेंडर चुनने" हेतु सीलबंद टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट <https://punjabandsind.bank.in> पर जाएं।

टेंडर के दस्तावेज, बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध टेंडर में बताए गए शेड्यूल के अनुसार जमा किए जा सकते हैं।

दिनांक: 25.07.2026

मुख्य प्रबंधक

गुजरात: तटरक्षक और सेना ने लोगों को सुरक्षित स्थान पहुंचाया

गुजरात के नवसारी जिले के एक दूरदराज बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे कम से कम 60 झींगा पालकों को शुक्रवार को भारतीय तटरक्षक बल ने हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि नवसारी इस सप्ताह राज्य भर में हुई मूसलाधार बारिश से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि जिले के चिखली इलाके में सबसे ज्यादा 451 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।



सेना ने 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला पिछले कुछ दिनों से गुजरात में हो रही भारी बारिश के बीच शुक्रवार को सेना ने अहमदाबाद के पांश इलाके बोपल से कम से कम 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बाढ़ से प्रभावित बोपल का दौरा किया तथा पानी से भरी गलियों में जाकर बचाव, राहत और पानी निकासी के कामों का जायजा लिया।

गुजरात में फंसे 60 झींगा पालकों को निकाला गया

लेकिन सड़कों पर गाद और कीचड़ की मोटी परत जम जाने के कारण कई स्थानों पर लोगों का संपर्क लगभग पूरी तरह कट गया है।

मुंबई: बारिश से तीन की मौत महाराष्ट्र के तटीय पालघर जिले में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई गांवों का संपर्क टूट गया है। प्रशासन ने 1,155 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राहत दल में शामिल एक अधिकारी ने बाढ़ की स्थिति को पिछले दस वर्षों में जिले की सबसे गंभीर स्थिति बताया। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को बारिश में कुछ कमी आई, लेकिन जिले के स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सवाल जवाब

'हमें एक बड़ी परियोजना, बड़ी सफलता की है दरकार'

पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार ने मई में विधान सभा चुनाव जीतने के बाद राज्य के निवेश माहौल में नए सिरों से जान फूंकने की जबरदस्त उम्मीदों के साथ कार्यभार संभाला है। राज्य के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने बजट पेश करने के एक महीने बाद कोलकाता में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) स्थित अपने कार्यालय में ईशिता आर्यान दत्त से बातचीत में कहा कि कुछ समस्याएं विरासत में मिली हैं और इसलिए निवेश आकर्षित करने के लिए बंगाल को अतिरिक्त प्रयास करना होगा। पेश हैं मुख्य अंश:



आपकी सरकार ने जिस बंगाल की अर्थव्यवस्था को संभाला है उसकी स्थिति आपके हिसाब से कैसी है? हमने ऐसी स्थिति संभाली है जिसे बेहतर से बेहतर परिस्थितियों में भी एक तबाह इलाका कहा जा सकता है। हमने एक ऐसा राज्य संभाला है जो न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि समाज के स्तर पर भी पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका था। लोगों के सामूहिक मानस में एक निराशा की भावना घर कर गई थी। ऐसे में उन्हें लगता था कि सब कुछ खो चुका है और भविष्य उन्हीं लोगों का है जो किसी तरह यहां से निकल गए। दो चीजों ने इस भावना को और बढ़ा दिया। पहला, नुकसान की भावना क्योंकि ऐसा नहीं है पश्चिम बंगाल ने कभी विकास का स्वाद न चखा हो, बल्कि वह तो अग्रिम पंक्ति में रहा है। भले ही इस पीढ़ी को पता न हो लेकिन पिछली पीढ़ी को अच्छे दिनों का पता था। दूसरा, बुजुर्गों के लिए यह विशेष रूप से दुखद था क्योंकि वे पीछे छूट गए थे। उनके बच्चे, पोते-पोतियां सफल हुए और वे बेहतर अवसरों की तलाश में बाहर चले गए। मगर बुजुर्ग लोग यहीं थे। नुकसान की इसी भावना ने माहौल को और भी दुखद बना दिया। यह हमें विरासत में मिला है।

अगले 5 वर्षों में अर्थव्यवस्था के लिए आप कौन से तीन संरचनात्मक बदलाव चाहते हैं? हमें सबसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाना होगा। पिछले 50 वर्षों से लगातार दो सरकारों के लिए यह सोचना गलत था कि पश्चिम बंगाल एक द्वीप की तरह काम करता है। हमें राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से केंद्र सरकार के तौर-तरीकों के साथ नए सिरों से जुड़ना होगा। दूसरा, मुझे लगता है कि हमें व्यापार को देखने का नजरिया बदलना होगा। इसमें हमेशा से एक अंतर्निहित नकारात्मकता रही है जिसने न केवल सरकार बल्कि समाज के बड़े तबकों द्वारा व्यापार को देखने के नजरिये को प्रभावित किया है। उसका संबंध 60 के दशक में उग्र ट्रेड यूनियनवाद, अशांत नक्सली दौर, फिर उद्योग के प्रति वाम मोर्चा के दृष्टिकोण और आखिरकार सिंगूर त्रासदी से था। ये सभी विरासत की समस्याएं थीं। इसलिए हमें सबसे पहले लोगों यानी समाज और अफसरशाही को बताना होगा कि हमें पश्चिम बंगाल में कारोबार को वापस लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं किया तो हम नष्ट हो जाएंगे और भारत का एक छोटा सा कोना बनकर रह जाएंगे जो सरकारी सहायता पर जीवित रहेगा। हमें राज्य को आकर्षक बनाना होगा। यह एक बहुत बड़ी परियोजना है।

अगले 5 वर्षों में अर्थव्यवस्था के लिए आप कौन से तीन संरचनात्मक बदलाव चाहते हैं?

हमें सबसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाना होगा। पिछले 50 वर्षों से लगातार दो सरकारों के लिए यह सोचना गलत था कि पश्चिम बंगाल एक द्वीप की तरह काम करता है। हमें राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से केंद्र सरकार के तौर-तरीकों के साथ नए सिरों से जुड़ना होगा। दूसरा, मुझे लगता है कि हमें व्यापार को देखने का नजरिया बदलना होगा। इसमें हमेशा से एक अंतर्निहित नकारात्मकता रही है जिसने न केवल सरकार बल्कि समाज के बड़े तबकों द्वारा व्यापार को देखने के नजरिये को प्रभावित किया है। उसका संबंध 60 के दशक में उग्र ट्रेड यूनियनवाद, अशांत नक्सली दौर, फिर उद्योग के प्रति वाम मोर्चा के दृष्टिकोण और आखिरकार सिंगूर त्रासदी से था। ये सभी विरासत की समस्याएं थीं। इसलिए हमें सबसे पहले लोगों यानी समाज और अफसरशाही को बताना होगा कि हमें पश्चिम बंगाल में कारोबार को वापस लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं किया तो हम नष्ट हो जाएंगे और भारत का एक छोटा सा कोना बनकर रह जाएंगे जो सरकारी सहायता पर जीवित रहेगा। हमें राज्य को आकर्षक बनाना होगा। यह एक बहुत बड़ी परियोजना है।

पिछली सरकार का केंद्र के साथ संबंध काफी तनावपूर्ण था। निजी निवेश आकर्षित करने के लिहाज से राजनीतिक तालमेल का कितना फायदा मिलता है?

पिछले 50 वर्षों तक केंद्र के साथ हमारा संबंध तनावपूर्ण रहा और कभी-कभी वह तनाव अनावश्यक शत्रुता में बदल गया। विचारों में थोड़ा अंतर होना एक बात है लेकिन यह उससे कहीं आगे निकल गया। ऐसा खास तौर पर पिछले 10 वर्षों में देखा गया जब केंद्र और राज्य के बीच सामान्य संबंध पूरी तरह टूट गए थे। हम सबसे पहले उसे उन चीजों को बंगाल में लाएंगे जो देश के बाकी हिस्सों में हुआ है। इसमें जन्म और मृत्यु पंजीकरण का तरीका भी शामिल है। बंगाल को उसी राह पर वापस लाना है। दूसरा, जो निवेश योजनाएं बंगाल में लागू नहीं थीं उन्हें हम एक-एक कर वापस ला सकते हैं। यह बहुत उपयोगी साबित हो रहा है क्योंकि इसके बिना हम काफी बजट घाटा झेल रहे थे। ये योजनाएं उस बजटीय घाटे की भरपाई करने में मदद करती हैं। मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब हर कोई जान जाता है कि पश्चिम बंगाल फिर से पसंदीदा जगह बन गया है और वह बड़ी योजना का हिस्सा है तो निवेशकों की जिज्ञासा बढ़ती है। हालांकि निवेश केवल इसी बात पर निर्भर नहीं करता है लेकिन कम से कम लोग पश्चिम बंगाल की ओर देख तो रहे हैं। फिर 'डबल इंजन' का मुद्दा है। हालांकि यह ओडिशा में है, असम में भी है और इसलिए इसमें कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धी लाभ नहीं है। मगर कोई प्रतिस्पर्धी नुकसान भी नहीं है। हमें उसका हरसंभव बेहतरीन उपयोग करना होगा। पश्चिम बंगाल के कुछ स्थानीय फायदे हैं। ऐतिहासिक कारणों से कोलकाता अभी भी पूर्वी भारत का प्रमुख शहर माना जाता है। हमें इसका फायदा उठाना होगा। इसके लिए हमें केंद्र का समर्थन चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में कई बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं ने पश्चिम बंगाल को अनदेखा कर दिया। ऐसे में आप निवेश

के बारे में सोच रहे सीईओ से क्या कहेंगे? बहुत से लोग पूर्वी भारत में पैठ बनाना चाहते हैं। मैं समझता हूँ कि उनके लिए हम बिल्कुल उपयुक्त हैं। हम कुछ मायनों में ओडिशा जितने प्रतिस्पर्धी नहीं हैं जो खनिजों और बंदरगाहों तक पहुंच के मामले में काफी समृद्ध है। मगर हम बहुत खराब भी नहीं हैं। बंगाल में अच्छी जीवन शैली है। यह लंबे समय से पसंदीदा गंतव्य रहा है। अखिल भारतीय स्तर पर देखा जाए तो दक्षिण और पश्चिम भारत अभी भी हमसे काफी आगे है। हम तुरंत वहां नहीं पहुंच सकते लेकिन हमें ऐसी आकांक्षा रखनी होगी। यहां तक कि प्रौद्योगिकी के मामले में भी दक्षिण और पश्चिम भारत काफी आगे निकल गए हैं और हमारे पास वैसा परिवेश नहीं है। हमें वैसा परिवेश तैयार करना होगा। ऐसे में यह कोई ऐसी परियोजना नहीं है जिसे 5 वर्षों में पूरा किया जा सके। मगर ये 5 साल पश्चिम बंगाल की दिशा तय करने के लिए काफी महत्वपूर्ण होंगे।

आपने बजट में उद्योग के लिए 5,000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। क्या आपको लगता है कि यह निवेश आकर्षित करने के लिए पर्याप्त है?

नहीं, यह पर्याप्त नहीं है। हम 15 अगस्त तक एक औद्योगिक नीति की घोषणा करेंगे। हम जीसीसी नीति की भी घोषणा करेंगे। यह अपने आप में पर्याप्त नहीं होगा। शुरुआत में आप शायद उन कंपनियों और उद्योगों को देखेंगे जिन्होंने पहले से ही पश्चिम बंगाल में विस्तार योजनाओं की घोषणा की है, बजाय इसके कि वे ओडिशा या असम या किसी अन्य जगह जाएं। मेरे लिए यह महज शुरुआत है क्योंकि हम कम से कम पलायन को रोक पाएंगे। इतनी कम अवधि में हम इसकी उम्मीद तो कर ही सकते हैं। मगर हमें कहीं न कहीं एक बड़ी सफलता की जरूरत है।

आपका मतलब किसी बड़ी परियोजना से है?

हमें एक बड़ी परियोजना की जरूरत है। लोगों में काफी उत्साह है और दो महीने में माहौल काफी बदल चुका है। हालांकि निवेश के फैसले अचानक नहीं लिए जाते हैं। लोग थोड़ा इंतजार करेंगे। वे देखेंगे कि शासन की गुणवत्ता कैसी है? क्या कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है? क्या सिंडिकेट और जबरन वसूली वाली अर्थव्यवस्था को दबा दिया गया है? क्या इस बात का प्रमाण है कि लोग सरकार के साथ हैं? इन सभी कारकों की अपनी भूमिका होगी। मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि कम से कम निवेश के लिए माहौल तैयार हो। साथ ही वह माहौल स्वस्थ हो ताकि हम वास्तव में लोगों के दरवाजे खटखटा सकें। अगर आपने पहले पश्चिम बंगाल के बारे में बात की होती तो आपको बाहर कर दिया जाता। मगर हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसलिए हम जो करने जा रहे हैं उसे मैं बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बता रहा। कुछ चुनौतियों के बावजूद मैं आशावादी हूँ।

क्या बड़ी कामयाबी के लिए आपके दिमाग में कोई क्षेत्र है?

हमें इसके लिए इंतजार करना होगा। हम अपना जाल दूर-दूर तक फेंक रहे हैं। वह प्रौद्योगिकी संचालित या कुछ बड़े निवेश से संचालित भी हो सकता है। वह काफी रोजगार सृजन करने वाला हो सकता है। किसी बड़े औद्योगिक घराने की वापसी हो सकती है जिसने शायद पश्चिम बंगाल को छोड़ दिया हो। अभी हम सब कुछ आजमा रहे हैं। मगर मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि हम कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

जब आप एक बड़े औद्योगिक घराने की बात करते हैं तो टाटा और पूरे सिंगूर प्रकरण की याद आती है। क्या आप उस ओर संकेत कर रहे हैं? अगर वे किसी बड़ी परियोजना के साथ आते हैं तो यह एक बड़ी प्रतीकात्मक बात होगी। यदि आदित्य बिड़ला समूह भी आता है तो हम याद करेंगे कि बुरे दिनों में आदित्य बिड़ला के साथ क्या हुआ था और बिड़ला परिवार के एक तबके ने कोलकाता क्यों छोड़ा था। मगर कुछ अन्य बड़े संस्थान और औद्योगिक घराने भी हैं जिन्होंने अभी तक कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाई है।

प्रोत्साहन के मुद्दे पर उद्योग को उम्मीद है कि आप बकाये पर विचार करेंगे। इस पर आप क्या कहेंगे? यह पिछली सरकार का एक बेहद अदूरदर्शी निर्णय था कि सब कुछ खत्म कर दिया गया जो पिछली तारीख से प्रभावी था। अगर आप इसे अदालत में ले जाते हैं तो मैं इस सरकार के लिए गारंटी के साथ एक अनुकूल नतीजे की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। इसलिए यह एक समस्या है। हमें इसकी भरपाई करनी होगी।



SBI CARDS AND PAYMENT SERVICES LIMITED

Regd Office: Unit 401 & 402, 4th Floor, Aggarwal Millennium Tower, E 1,2,3 Netaji Subhash Place, Wazirpur, New Delhi - 110034, Tel: 0124-4589803, CIN: L65999DL1998PLC093849, E-mail: investor.relations@sbicard.com, Website: www.sbicard.com

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED JUNE 30, 2026

(₹ in Crores, except per share data)

S. No.	Particulars	Quarter Ended		Year Ended
		June 30, 2026 (Unaudited)	June 30, 2025 (Unaudited)	March 31, 2026 (Audited)
1.	Total Income from Operations	5,040.55	4,876.92	19,899.63
2.	Net Profit for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	893.13	748.36	2,913.19
3.	Net Profit for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	893.13	748.36	2,913.19
4.	Net Profit for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	664.44	555.96	2,166.71
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	665.32	553.70	2,174.56
6.	Paid up Equity Share Capital, Equity share of ₹10/- each	951.61	951.53	951.60
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	-	-	14,773.90
8.	Earnings Per Share (of ₹10/- each) (not annualised for quarters): 1. Basic (₹): 2. Diluted (₹):	6.98 6.98	5.84 5.84	22.77 22.77

a. The above is an extract of the detailed format of financial results for the quarter ended June 30, 2026 filed with the stock exchange(s) under Regulation 33 and Regulation 52 read with Regulation 63(2) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the financial results is available on the website of the stock exchange(s) (www.bseindia.com & www.nseindia.com) and can also be accessed on the website of SBI Cards and Payment Services Limited (www.sbicard.com).The same can also be accessed by scanning the QR code below.

b. For disclosure under Regulation 52(4) of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please refer the full format of the financial results available on the website of the stock exchange(s) and the Company, as mentioned above.

c. The above financial results of the Company have been prepared in accordance with the applicable Ind AS notified under the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 as amended.

d. During the quarter ended June 30, 2026, the Company has allotted 14,257 equity shares of ₹10/- each pursuant to exercise of options under the approved employee stock option scheme(s).



Scan to view full format of the financial results

Sd/-
Sailia Pande
Managing Director & CEO
DIN:- 10941529
Place: Mumbai
Date: July 24, 2026